IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, April 2024

बघेलखण्ड में पवाई रूल्स तथा देशी रियासतें एवं करद राज्य

डॉ. (श्रीमती) विभा श्रीवास्तव[1] व श्रीमती अलका सिंह परिहार[2]

प्राध्यापक इतिहास विभाग, शासकीय कन्या महाविद्यालय, रीवा, म.प्र.[1]

एम.ए., एम. फिल (इतिहास) शोधार्थी, शासकीय कन्या महाविद्यालय, रीवा, म.प्र.[2]

शोध सारांश –

महाराज विक्रमादित्य के द्वारा रीवा राजधानी बनाये जाने के पश्चात् बघेल वंशीय शासकों की नई प्रशासनिक नीति प्रभावी होने लगी। यह वह दौर रहा जब केन्द्रीय सत्ता के रूप में मुगल बादशाहत देश में प्रभावी होने लगी थी उनकी शासन नीति भी किसी न किसी रूप में शासन व्यवस्था पर प्रभाव डालने लगी। बघेलवंश के शासक बांधगढ़ से सत्ता का केन्द्र बिन्दु बनाने के लिए रीवा को चुना। रीवा के प्राचीन बस्ती रनबहादुर गंज में बीहर–बिछिया के संगम पर अधबने किले जिसे शलीम साहब ने बनवाया था की मरम्मत कर कोट का निर्माण कराया। कोट के चारों ओर बुर्ज बनवाये गये और उनमें तोपें चढ़ाई गईं। इस तरह राज्य संचालन की एक नई व्यवस्था बघेलवंश शासकों में प्रारंभ हुई। उपरोक्त बिन्दुओं को इस शोध पत्र में शामिल करने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द :– बघेलखण्ड, पवाई रूल्स, देशी, रियासतें, करद, राज्य महत्वाकांक्षा, नीतिवान आदि।